1

<u>Concluding Remarks by Congress President at the BCC & DCC Presidents Convention, 8th, February 2009, at Ramlila Maidan, New Delhi</u>

Friends,

We have come to the end of a long day.

Many of you have spoken.

Many more, I know, would have wanted to speak.

Tomorrow all of you will have an opportunity of meeting your respective General Secretaries concerned. This will give more time for interacting with AICC office-bearers. Both Rahul and I will also try and be there for a while.

We have taken note of the numerous suggestions you have made.

They are of value not only for the forthcoming election campaign but also for our future activities.

We understand your concerns and I also agree with some of your complaints.

Merit alone must guide candidate selection by the CEC. Patronage and quota system must not have a role to play.

We have to be careful with *Aaya Rams, Gaya Rams*, people who come us in search of new opportunities.

Sometimes, alliances and seat adjustments are inevitable. But this should not come in the way of strengthening the party organisation everywhere.

Whatever Rahul has said here today gives me the feeling that अब इनकी गाड़ी रुकने वाली नहीं है, कारवां चलता ही रहेगा।

We have adopted a Sankalp to rededicate ourselves to the concerns of the aam admi.

The Ram Lila Maidan Sankalp will be our touchstone. It will provide the inspiration for all of us. It is not just noble sentiment--it is a call for action.

वैसे आज हमने जो संकल्प लिया है, वह सिर्फ़ आपके लिए नहीं है।

वह हम सब के लिए भी है, जो इधर मंच पर बैठे हैं।

अब हम सबको काम में जुट जाना है, बहुत काम है। निष्ठा और दृढ़ता के साथ काम करना है।

हम सबको मालूम है, कि हमारा कर्तव्य क्या है, हमारी ज़िम्मेदारियां क्या हैं?

हमें एकता, अनुशासन और आत्म–विश्वास के साथ काम करना है।

इसलिए साथियों, हमें यहां से एक नये समर्पण के साथ वापस जाना है और एक नया और ताज़ा जनादेश प्राप्त करना है।

सारे देश में हमारे लिए समर्थन और सद्भावना है। अब यह हमारे ऊपर है, कि हम लोगों की अपेक्षाओं पर कितना खरे उतरते हैं और इस समर्थन को, चुनाव में अपनी कामयाबी में बदलते हैं।

वैसे आप सबने इस संमेलन को जिस गंभीरता से लिया है और जिस तरह के अनुशासन का पालन किया है, उससे मेरा मन बहुत खुश है। अगर सारे देश में कांग्रेसजन इसी मर्यादा के साथ अपनी ज़िम्मेदारी निभाएं, तो दुनिया की कोई भी ताक़त कांग्रेस को अपने लक्ष्य तक पहुंचने से नहीं रोक सकती। हमारी पार्टी ने इसी रास्ते से नये भारत का इतिहास बनाया है।

मुझे विश्वास है, कि आप सबके सहयोग से भविष्य में भी ऐसा ही होगा।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आप सबको अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

जय–हिंद।